Nai Dunia (Indore) 10th August 2020, Page-7

टेक्नोलॉजी ● फल–सब्जी के साथ मोबाइल, पर्स आदि को वायरस से बचाना आसान

संस्थानों ने तैयार किए सस्ते यूवी उपकरण

गजेन्द्र विश्वकर्मा ● इंदौर (नईदुनिया)

कोरोना वायरस से बचाव के लिए देश के उच्च तकनीकी शिक्षण संस्थान लगातार नए तरीके खोजने में जुटे हैं। घरों और व्यासायिक प्रतिष्ठानों में वायरस से बचाने वाले अल्ट्रा वायलेट (यूवी) उपकरणों की मांग बढ़ने से शहर के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) और श्री गोविंदराम सेकसरिया इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसजीएसआइटीएस) ने भी इस पर काम किया है। आइआइटी इंदौर ने खुद की वर्कशॉप में इन उपकरणों को तैयार कर लिया है और फिलहाल इनका उपयोग सुरक्षा गेट, होस्टल, कॉलेज मेस, निदेशक के दफ्तर और कई जगहों पर किया जा रहा है। वहीं एसजीएसआइटीएस के आइटी विभाग ने भी यूवी उपकरण बना लिए हैं। इन्हें कम कीमत में शहरवासियों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

कैंपस में हर जगह हो रहा उपयोग

आइआइटी इंदौर के विद्यार्थी कल्याण विभाग के डीन संतोष कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि कोरोना वायरस से सुरक्षा देने वाले कई उपकरण संस्थान की वर्कशॉप में तैयार कर लिए गए हैं। इनमें अल्ट्रा वायलेट उपकरण भी शामिल हैं। संस्थान में इनका उपयोग भी शुरू कर दिया गया है। कैंपस में हर जगह सभी जरूरी सामग्री को यूवी उपकरण में रखा जा रहा है। इंदौर पुलिस ने भी वायरस से सुरक्षा के उपायों को लेकर संस्थान से बात की है। उनके लिए भी वायरस से बचाव के लिए संस्थान हर मदद करेगा।

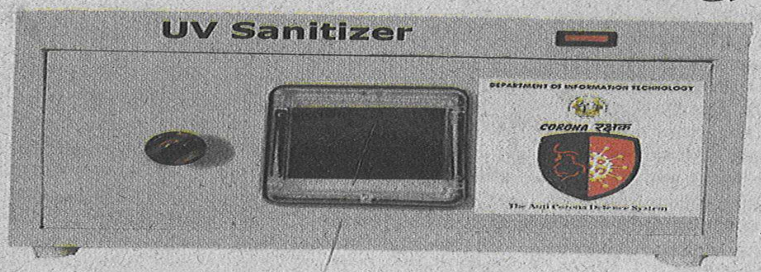

एसजीएसआइटीएस में इस तरह के यूवी उपकरण तैयार किए गए हैं। ● सौजन्य

सुरक्षित उपकरण करा रहे उपलब्ध

एसजीएसआइटीएस के निदेशक डॉ. राकेश कुमार सक्सेना ने बताया कोरोना महामारी के दौरान हमारे ज्यादातर प्रोफेसर रिसर्च वर्क पर काफी समय दे रहे हैं। मई में ही हमने प्लान बना लिया था कि इस संकट के समय में शहर के लिए भी कुछ करेंगे। इसे देखते हुए हमने अल्ट्रा वायलेट उपकरण बनाना शुरू कर दिए हैं। इसमें 360 डिग्री क्षेत्र को सैनिटाइज करने वाले यूवी उपकरण बना रहे हैं। बाजार में मिलने वाले उपकरणों के मुकाबले हमारे आईटी विभाग के प्रोफेसर द्वारा तैयार किए जा रहे उपकरण ज्यादा सुरक्षित और बाजार के मुकाबले एक से डेढ़ हजार रुपये सस्ते हैं। यूवी में हमने सेंसर बेस्ड टेक्नोलॉजी का उपयोग किया है। इससे यूवी की खतरनाक रोशनी से बच्चे और परिवार के सदस्य को पूरी तरह सुरक्षा प्रदान की जा सकेगी।

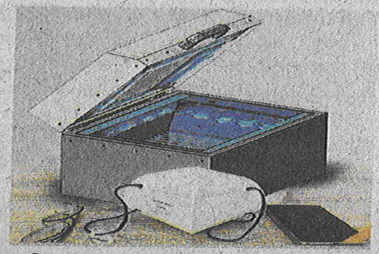

यूवी बॉक्स। ● इंटरनेट

सामानों को सुरक्षित रखने के लिए बढ़ रही है मांग

अल्ट्रा वायलेट उपकरणों की मांग शुरुआत में बैंक और दफ्तरों में ज्यादा थी, लेकिन अब घरों में भी इसे रखने वालों की संख्या बढ़ रही है। व्यवसायों में अल्ट्रा वायलेट कैबिनेट और टॉवर उपकरण रखे जा रहे हैं। सब्जियां, मोबाइल, पर्स, डायरी, कपड़े, नोट और कई तरह की रोजमर्रा में उपयोग आने वाली सामग्री को यूवी लाइट में रखा जा रहा है। ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट पर भी कई कंपनियों ने यूवी उपकरण के अलग–अलग उत्पाद जारी किए हैं। इनकी कीमत पांच हजार रुपये से लेकर दो लाख रुपये तक है। वहीं घरों में अल्ट्रा वायलेट डिसइंफेक्शन बॉक्स रखे जा रहे हैं। इनकी कीमत 2500 रुपये से 50 हजार रुपये तक है।